सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना

मासिक ई पत्रिका अंक 28

मई-2022

सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना द्वारा

आज के बच्चे कल का भारत इस ध्येय को लेकर प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल जी के मन में गाँव के बच्चों का व्यक्तित्व विकास की कल्पना जगी। उन्होंने सोचा कि देश में कोई ऐसा संगठन बने, जहाँ बच्चों में संस्कारित शिक्षा और देशभक्ति के भाव का निर्माण कर देश के लिए काम करने की प्रेरणा जगाने का काम हो इसी भाव को लेकर चल रहे आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत 18 राज्यों के 64 जिलों के 262 गाँवों के सूर्या संस्कार केंद्रों पर व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 15,000 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस शिविर में बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए विभिन्न प्रकार के विषय पर वक्ताओं के द्वारा सत्र लिए गए। जैसे-विद्यार्थी के अच्छे गुण, सुलेख, समय-पालन, व्यवहार, देशभक्ति, पंचतंत्र की कहानियाँ, आदर्श घर एवं आदर्श परिवार आदि। बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए शिविर में भाषण प्रतियोगिता, चित्रकला, क्राफ्टिंग, पत्र लेखन, कहानी याद करना, सुलेख

लगाया गया व्यक्तित्व विकास शिविर (MPDC)

आदि प्रतियोगितायें करायी गयी। मानसिक विकास के लिए योग, ध्यान, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, शक्तिदायी विचार, प्रेरणादायी विचार, नैचुरोपैथी विचार, मैनेजमेंट विचार आदि सिखाये गये। बच्चों का शारीरिक विकास हो इसके लिए योगासन, खेलकूद, पी.टी., कराटे एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम कराये गए। शिविर में भाग लिए प्रतिभागियों तथा उनके माता-पिता के विशेष अनुभव भी प्राप्त हुए। प्रतिभागियों के विचार, गुण, सुलेख, खेल, आदत में हुए प्रभावशाली परिवर्तन से अभिभावक बहुत प्रभावित भी हुए। विभिन्न स्थानों पर शिविर के समापन कार्यक्रमों में प्रशासनिक अधिकारी, जन-प्रतिनिधि, सेवाभावी, गाँव के वरिष्ठजन उपस्थित रहे। सभी विजेता प्रतिभागियों को प्रशस्ति-पत्र, मेडल, शील्ड देकर सम्मानित किया गया। शिविर में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र दिया गया। यह शिविर देशभर में 6 इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं 112 प्रिंट मीडिया में स्थान पाने में सफल रहा।

नदी की सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश

सूर्या फाउण्डेशन एक सामाजिक संस्था है। जो जनकल्याण के लिए निरंतर गाँवों में कार्यरत है। दार्जिलिंग जिले से गुजरने वाली वातारिया नदी के किनारे के निवासी घर का सारा कचरा नदी में ही फेंक देते हैं, जिसके कारण नदी का जल प्रदूषित होता जा रहा था। प्लास्टिक व कचरों से नदी लगभग लगभग भर गयी थी किंतु कोई भी स्थानीय निवासी सफाई एवं स्वच्छता के लिए आगे नहीं आया।

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के फांसी देवा में स्थित देव मेमोरियल स्कूल के शिक्षकों के साथ सूर्या फाउण्डेशन की टीम ने बैठककर नदी की स्वच्छता हेतु अभियान चलाने का निर्णय लिया। बस्ती के सेवाभावी सी.के. क्षेत्री व बबिता क्षेत्री के मार्गदर्शन में सूर्या फाउण्डेशन फांसीदेवा टीम ने स्कूल के शिक्षकों के साथ मिलकर नदी के किनारे साफ-सफाई करना शुरु किया।

साथ ही लोगों से नदी में किसी भी प्रकार का कूड़ा कचरा ना फेकने का आग्रह करते हुए बताया कि नदी को स्वच्छ रखें। क्यों कि इस नदी का पानी हम सभी उपयोग करते है। गंदे पानी के उपयोग से हमें तथा हमारे परिवार के सदस्यों को कई प्रकार की बीमारियां हो सकती हैं। जो बाद में जानलेवा भी हो सकती है।

स्वच्छता कार्यक्रम में सी.के. क्षेत्री जी, बबिता क्षेत्री जी, देव मेमोरयिल के शिक्षक एवं प्रबंध समिति के सदस्य तथा सूर्या फाउण्डेशन से विनोद कुमार, मंटू ठाकुर, सोबिन्दो बर्मन, तरुण, प्रमीर, निरंजन विश्वा, घीयालाल, सुरेश व शिक्षक बंधु उपस्थित रहे।

गाँव- निघासन (अवध)

महिलाओं को दिया गया जैविक खेती का प्रशिक्षण

सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत अवध क्षेत्र के लखीमपुर खीरी जिले के निघासन ब्लाक के ग्राम सहतेपुरवा में 1 दिवसीय जैविक खेती का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह, चमेली स्वयं सहायता समूह एवं शंकर स्वयं सहायता समूह की 35 माताओं-बहनों ने हिस्सा लिया। कृषि विभाग के अधिकारी श्री प्रह्लाद जी व उनकी टीम के द्वारा जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए यह प्रशिक्षण कराया गया, इसमें फसल से सम्बंधित अनेक जानकारी जैसे- अच्छे किस्म के बीज, धान की रोपाई कब और कैसे? कितना पानी दें? खेत को कैसे तैयार करे? कितनी खाद का प्रयोग करें? फसल में कीटनाशक दवाओं के छिड़काव से पड़ने वाले प्रभाव आदि की जानकारी दी गई।

रविंद्र नाथ टैगोर जयंती

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के द्वारा देशभर में 145 स्थानों पर 1340 भैया-बहनो ने रविंद्र नाथ टैगोर जयंती मनाई। सूर्या संस्कार केंद्र पर पढ़ाई के साथ अनेक प्रकार की गतिविधियां कराई जाती हैं, जिससे संस्कार केंद्र पर आने वाले बच्चों के सर्वांगीण विकास हो सके।

इसी क्रम में उत्तराखण्ड में हरियावाला गाँव में सूर्या संस्कार केंद्र पर रवींद्रनाथ टैगोर जी की जयंती मनाई गई। सेवाभावी विजय जी ने सभी बच्चों को रवीन्द्रनाथ टैगोर जी के जीवन, उनकी रचनाओं और परिवारिक जीवन के बारें में विस्तृत जानकारी दी। बताया कि ये एकमात्र ऐसे कवि हैं जिनकी दो रचनाएँ दो देशों का राष्ट्रगान बनी। भारत का राष्ट्रगान जन गण मन... और बांग्लादेश का राष्ट्रगान आमार सोनार बांग्ला...। कार्यक्रम में उत्तराखण्ड क्षेत्र प्रमुख नीतीश कुमार, शिक्षक बंधु एवं संस्कार केंद्र के 30 भैया बहन उपस्थित रहे।

परिवार मिलन कार्यक्रम - सूर्या साधना

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा संचालित आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत 6 दिवसीय परिवार मिलन शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 50 पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं के 31 परिवारों से 98 सदस्यों ने भाग लिया। शिविर का उद्घाटन आ. भूषण गुप्ता जी, कथा वाचक श्रीमती कृष्णा गोमती जी, श्री राजीव अग्रवाल, आदर्श गाँव योजना प्रमुख श्री प्रमोद आसरे जी एवं सूर्या फाउण्डेशन के ट्रस्टी श्री कामेश्वर जी द्वारा भारतमाता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। उद्घाटन सत्र मे श्री भूषण गुप्ता जी ने अपने उद्बोधन मे कहा पति पत्नी दोनों एक सिक्के के दो पहलू हैं। उन्हें आपस में घरेलू कार्यों में एक दूसरे की मदद करनी चाहिए। सप्ताह में कम से कम एक दिन साथ में भोजन करना चाहिए। अपने परिवार के इतिहास एवं परंपराओं पर चर्चा करना चाहिए।

परिवार मिलन कार्यक्रम में भारत यात्रा के दौरान हिमाचल दर्शन जिसमें उत्तर भारत के प्रमुख 4 शक्तिपीठ माता चिंतपूर्णी देवी, माता चामुंडा देवी, माता ब्रजेश्वरी देवी, कांगड़ा देवी, ज्वालादेवी के साथ माता बंगलामुखी देवी के दर्शन कराये गये। धर्मशाला, यात्रा के अन्तर्गत देश का सबसे सुंदर क्रिकेट स्टेडियम, वार मेमोरियल, कनप्पा टेंपल, नड्डी विव प्वाइंट, मैकलोडगंज, वासुकी

स्थली झिंझौली, सोनीपत (आश्रम)

नागामंदिर, दलाई लामा भवन, डल-लेक, बॉम्बे पिकनिक स्पॉट आदि जगहों का भ्रमण कराया गया। अंत में दिल्ली स्थित अक्षरधाम मंदिर दर्शन के साथ यात्रा का समापन हुआ। कथा वाचक श्रीमती कृष्णा गोमती दीदी जी ने कहा कि हम सब समाजसेवा के पुण्य कार्य में लगे हैं, यह हम सबका सौभाग्य है। हम देश की जनसंख्या का एकांश भी नहीं हैं, जिससे हमें चुना गया है। परिवार समाज की वह इकाई है, जो समाज के किसी भी संगठन को संगठित करती है। परिवार, सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक, आर्थिक आदि कार्यों का मूल आधार है। संस्कृति-परिवार के उस मध्य बिंदु से आती है, जिसे नारी कहते हैं। जब व्यक्ति बोलना भी नहीं जानता तब नारी ही उसे बोलना, उठना, बैठना आदि सिखाती है।

शिविर में सूर्या फाउण्डेशन के चेयरमैन पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल जी द्वारा सभी परिवारों के बच्चों के लिए खेलकूद की सामग्री दी गई दी गयी। जयप्रकाश जी ने बताया कि हम सब एक बड़े परिवार के सदस्य हैं और आपस में हम सबको मिलजुल कर रहना चाहिए। परिवार शिविर कें सभी सदस्यों ने आ. जयप्रकाश जी को परिवार मिलन कार्यक्रम के लिए धन्यवाद एवं उनके उत्तम स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की।

महिला सशक्तिकरण : गौ-उत्पाद प्रशिक्षण

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना छत्तीसगढ़ के अंतर्गत ग्राम-मानिकचौरी में 3 दिवसीय गौ-उत्पाद प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। उद्घाटन में मुख्य अतिथि श्री भूपेंद्र साहू जी जनपद सदस्य, श्री रमेश साहू जी (सेवाभावी), क्षेत्र प्रमुख सनत टंडन एवं संजय तिवारी-प्रशिक्षक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों द्वारा श्री कृष्णजी का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में स्वयं सहायता समूह की 39 महिलाओं ने भाग लिया। शिविर में महिलाओं को श्री संजय जी ने धूपबत्ती, उपले, दीपक, साबुन एवं गोनाइल (फिनाईल) बनाने की प्रक्रिया सिखायी।

प्रशिक्षण में बनाया गया गोनाइल, साबुन, धूपबत्ती, दीपक इन सभी वस्तुओं का वितरण सभी प्रशिक्षु महिलाओं को किया। इस कार्यक्रम से महिलायें अत्यंत खुश हुई। अपने अनुभव में श्रीमती तुलेश्वरी साहू बताया कि सूर्या फाउण्डेशन द्वारा कराया गया प्रशिक्षण बहुत अच्छा लगा। संस्था को ऐसे कार्यक्रम हर महीने गाँव में कराने चाहिए, जिससे महिलाओं का आर्थिक विकास हो। इस प्रशिक्षण के लिए उन्होंने सूर्या फाउण्डेशन का धन्यवाद भी किया।

इस अवसर पर श्री रमेश साहू जी द्वारा अपने उद्बोधन में सभी महिलाओं को अपने घर में वस्तुएं बनाकर अपने खुद का व्यवसाय खड़ा करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही सूर्या फाउण्डेशन के कार्यकर्ताओं द्वारा ग्राम विकास के लिए किए जा रहे प्रयास की सराहना भी की।

सनत टंडन ने अपने उद्बोधन में कहा कि सभी महिलाएं सीखे हुए कार्य को अपने जीवन में अपनाते हुए ज्यादा से ज्यादा गौ-उत्पाद की वस्तुएं बनाएं, जिससे उनके और उनके परिवार का आर्थिक स्तर ऊपर आ सके। प्रशिक्षण का समापन 5 मई को किया गया, जिसमें रमेश साहू जी, सनत टंडन जी, संजय तिवारी जी, सूर्या शिक्षक चिंताराम यादव, युवराज साहू एवं अन्य युवा साथी उपस्थित थे।

पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन, दार्जिलिंग

सूर्या फाउण्डेशन एक सामाजिक संस्था है, जो पूरे देशभर में ग्राम विकास के लिए कार्य करती है। सूर्या फाउण्डेशन द्वारा दार्जिलिंग क्षेत्र के गाँव आदर्श जोत में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में खोरीबारी पशु स्वास्थ्य केन्द्र का विशेष सहयोग मिला। स्वास्थ्य शिविर टीम के डॉ. शुभंकर दास द्वारा बताया गया कि पशु तो बेजुबान हैं उनके दर्द को हम सबको महसूस करना है और समय पर टीका लगाकर उन्हें बीमारियों से बचाना है। साथ ही उनके उचित खानपान के लिए उचित सुझाव डॉक्टर्स की टीम द्वारा दिए गए।

इस शिविर में 80 परिवारों की 42 गाय, 155 बकरियां, 12 हंस तथा 36 मुर्गियों का टीकाकरण किया गया। समय-समय पर लोगों को डॉक्टर की सलाह लेने के लिए भी जागरुक किया गया। गाँव में काफी सकारात्मक व खुशी का माहौल है कि पहली बार किसी संस्था द्वारा नि:शुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया है।

चिकित्सक टीम में डॉ. सुवल सिन्ह जी (टुकड़ियां झार फॉरेस्ट FPC प्रेसिडेंट), डॉ. शुभंकर दास (खोरीबारी पशु केन्द्र अधिकारी), डॉ. समीर कुमार दास (प्राणी बंधु), डॉ. बासंती बर्मन (प्राणी मित्र), डॉ. आशीष दास (प्राणी बंधु) आदि का सहयोग मिला।

अन्य कार्य -

- मिनीपीडीसी में 95 भैया-बहनों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। समापन में ग्राम धर्म चेतना मंच के जिला अध्यक्ष श्री सुरजो नारायण जी उपस्थित रहे।
- रबीन्द्रनाथ टैगोर जी की जयंती मनाई गई, जिसमें 47 बच्चों ने भाग लिया।
- शिवाजी युवा समिति बैठक में ग्राम विकास, पर्यावरण और प्राणी संरक्षण के विषय में चर्चा हुई जिसमें बीएसएफ एस आई सी.के. छत्री जी का मार्गदर्शन मिला।

गर्मी के मौसमी फल

आम– आम फलों का राजा कहलाता है। विश्व के अनेक देशों में आम की अलग–अलग जाति होती है। फिर भी हिंदुस्तान का प्रसिद्ध फल आम ही है। स्वाद, स्वास्थ्य एवं बल संवर्धन की दृष्टि से आम सभी फलों में आगे है। सभी आमों के गुण प्रायः एक से ही होते हैं। आम खाने से पहले पानी में रखने से गर्मी निकल जाती है। इसमें विटामिन **ए** व **सी** की भरपूर मात्रा पायी जाती है जो शरीर के लिए आवश्यक होता है।

खरबूजा– यह ग्रीष्म ऋतु का अद्वितीय फल है। यह हर कहीं सहजता से उपलब्ध रहता है एवं सस्ता है। खरबूजे में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो गर्मी के मौसम में शरीर को हाईड्रेट रखता है। पोटैशियम भरपूर होने से रक्तचाप नियंत्रित करने में भी मदद करता है। खरबूजा तृप्ति कारक, शीतल, बलवर्धक तथा पित्त, वायु, कब्ज निवारक है। शारीरिक श्रम के बाद यह फल खाने से थकान दूर हो जाती है।

तरबूज– इसका गूदा जितना लाल होगा, वह उतना ही मीठा, स्वादिष्ट तथा रसभरा होगा। इसमें 75 प्रतिशत पानी रहता है। वास्तव में यह ग्रीष्म ऋतु का सबसे मजेदार फल है। यह ग्रीष्म ऋतु में आनंद, मुख तृप्ति तथा स्वास्थ्य प्रदाता फल माना जाता है। तरबूज का हर हिस्सा काम का होता है, इसके छिलके की सब्जी भी बढ़िया बनती है। इसके सेवन से पाचन सही रहता है, वजन कम होता है, मांसपेशियां मजबूत होती हैं, रक्तचाप नियंत्रण में सहायक है।

ककड़ी– ककड़ी अपने शीतल प्रभाव से मन, मस्तिष्क तथा वायु कोशिकाओं को तृप्ति एवं स्वास्थ्य प्रदान करती है। यह गर्मी तथा लू से बचाती है और त्वचा को खूबसूरत बनाती है। इसका सेवन करने से हड्डियां मजबूत होती हैं और कब्ज से छुटकारा मिलता है।

लीची– इस मौसम में आने वाली लीची न केवल गर्मी में तापमान नियंत्रित रखने में मदद करती है, बल्कि पोषण भी देती है। यह आँखों और त्वचा के लिए बेहतरीन है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट तत्व तनाव और झुर्रियों से भी बचाते हैं। यह शरीर में जल की पूर्ति कर इम्यूनिटी पावर को बढ़ाता है।

अंगूर– गर्मी के मौसम में खास तौर से मिलने वाले काले और हरे अंगूर शीतल और पौष्टिक होते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो आपको तनाव और बढ़ती उम्र से बचाते हैं। प्यास बुझाने में ये मददगार होते हैं। यह एलर्जी दूर करता है तथ कैंसर से बचाने में मदद करता है।

संतरा– विटामिन सी से भरपूर होने के कारण यह प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाता है और वजन कम करने में मददगार है। रेशों से भरपूर संतरा आपके पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करता है। साथ ही रक्त में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम करने, खांसी, जुकाम से बचाव व गुर्दे के रोगों से बचाव में सहायक है।

आत्मविश्वास कैसे बढ़ायें ?

आत्मविश्वासी उसे कहते हैं जो अपने आप पर विश्वास करता है इतना ही नहीं, आप अनुशासन और आत्मविश्वास के बिना किसी भी काम में सफल नहीं हो सकते। आत्मविश्वास मानवता के लिए जरुरी है क्योंकि आत्मविश्वासी लोग खुद को पसंद करते हैं अपनी मंजिल को पाने के लिए स्वयं से प्रेरित रहते हैं और सकारात्मक सोचते हैं जबकि कम आत्मविश्वास वाला आदमी यह सब सोचने और करने में स्वयं पर विश्वास नहीं रखता हैं।

अपने आप को स्वीकारें – आप इस दुनिया में विशेष हैं, अपनी कमजोरियों और गलतियों के बारे में सोचने और शिकायत करने के बजाय, अपने आप को बेहतर बनाने के तरीकों की तलाश करें। नया सीखने के लिए नए लोगों से जुड़ें और खुद को पहचानें।

दूसरों से बातचीत करें – यह बहुत जरुरी है कि आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए सफल लोगों से बात करें। क्योंकि लोगों की चुनौतियों और सफलताओं के बारे में सुनना अपने बारे में बेहतर महसूस करने का एक अच्छा तरीका हो सकता है। इसके अलावा उन तरीकों के बारे में जानने की कोशिश करें जिनसे आप अपने जीवन में अपनी बाधाओं को दूर कर सकते हैं।

लक्ष्य बनायें – अपने जीवन में अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कोशिश करते रहें, हार ना मानें। अगर आप कोई गलती कर रहे हैं तो अपनी गलतियों से सीखें और हालातों में सुधार करें। सफलता पाने के लिए कई बार कोशिश करनी पड़ती है।

कमजोरी और ताकत को जानें – यह जानना जरुरी कि आपमें क्या अच्छा और क्या बुरा है और ऐसा आप किसी भी टाइप की परीक्षा के माध्यम से कर सकते है। इसलिए अपनी कमजोरियों और शक्तियों को जानें तभी आप सही काम को करने का फैसला ले सकते हैं और उसे पूरा कर सकते हैं।

अपनी सफलता याद रखें – अधिकतर लोग अपनी सफलता भूल जाते है और उन चीजों पर ध्यान देते है जिन्हें करने के लिए वे संघर्ष करते हैं। हमेशा अपने अतीत की उपलब्धियों को याद रखें चाहे वे छोटी ही क्यों ना हो, ये आपको बड़ी उपलब्धि पाने के लिए प्रेरित करेंगी और आपके जीवन में सकारात्मकता आयेगी। नकारात्मकता पर ध्यान ना दें।

अपने भविष्य के बारे में सोचें – अपने भविष्य के बारे में सोचने के लिए समय निकालें, आप जीवन में क्या करना चाहते हैं, एक बार जब आप यह पता लगा लेते है कि आप जीवन में क्या चाहते है तो आप उसे जल्दी प्राप्त कर सकते हैं।

सकारात्मक सोचें – किसी भी तरह अपनी सोच को सकारात्मक बनाएं रखें और अपना हर काम सकारात्मक सोच के साथ शुरू करें। किसी भी परिस्थिति में नकारात्मक सोच को अपने आप पर हावी ना होने दें। हमेशा सकारात्मक सोचें। आत्मविश्वास के साथ शुरू किया काम कभी अधूरा नहीं रहता, अगर आप में यह नहीं है तो आप किसी काम को शुरू ही नहीं कर पाएंगे

समाचार पत्रों में झलकियाँ...

साधना स्थली झिंझोली में परिवार मिलन शिविर आयोजित

खरखौदा, 23 मई (शर्मा): सूर्या फाऊंडेशन द्वारा संचालित आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत साधना स्थली झिंझोली में 6 दिवसीय परिवार परिचय मिलन शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में 50 पूर्णकालिक कार्यकर्त्ताओं के 31 परिवारों से 98 सदस्यों ने हिस्सा लिया। शिविर का उद्घाटन भूषण गुप्ता, कथा वाचिका गोमती देवी, राजीव अग्रवाल, प्रमोद आसरे आदर्श ग्राम योजना प्रमुख, कामेश्वर द्वारा भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्वलित करके किया गया।

परिवार मिलन शिविर में शामिल सूर्या फाऊंडेशन के सदस्य व विभिन्न प्रदेशों से आए परिवार के सदस्य।

कामेश्वर ने बताया कि 2 दिन का परिवार परिचय मिलन साधना स्थली झिंझोली में आयोजित किया जाएगा। बाकी के 3 दिन परिवारों को हिमाचल यात्रा पर ले जाया जाएगा। जहां प्रमुख रूप से माता चिंतपूर्णी, माता बगलामुखी, माता चामुंडा देवी, माता ब्राजेश्वरी कांगड़ा देवी और ज्वाला देवी शक्तिपीठ के दर्शन करवाए जाएंगे। बाद में एक दिन धर्मशाला का भ्रमण किया जाएगा। शिविर के संचालन में भरत राज ओझा, शत्रुहन लाल कश्यप और व्यवस्था प्रमुख अरुण राजपूत का विशेष सहयोग रहा।

విద్యార్థుల నైపుణ్యాలను వెలికి తీయడమే లక్ష్యం

విద్యార్థులకు సర్టిఫికేట్లు పంపిణీ చేసిన దృశ్యం

హిందూపురం టౌన్ మే 26 (ప్రభన్యూస్): స్థానిక రూరల్ పరిధిలోని సూర్య ఫౌండేషన్ ఆధ్వర్యంలో 10 రోజుల పాటు మినీ పర్సనాలిటీ డెవలప్మెంట్ క్యాంపు ను గడ్డంపల్లి, గొళ్ళాపురంలో నిర్వహించారు . ఈ కార్యక్రమాన్ని గురువారం ముగించారు. పిల్లలకు 10 రోజులలో హ్యాండ్రైటింగ్ ,డ్రాయింగ్ ,డాన్స్ ,పేపర్ క్రాఫ్ట్ స్పీచ్, జోగా వంటి వాటిని రోజుకు ఒకటి ట్రైనింగ్ ఇచ్చి తర్వాత వారిలో మెరుగైన స్టూడెంట్స్ కు బహుమతులు ప్రకటించారు. శిబిరం ముగింపు కార్యక్రమం గొల్లపురంలో నిర్వహించబడింది. ఇందులో ముఖేష్ త్రిపాఠి జీ, చైర్మన్ సూర్య ఫౌండేషన్, మాణిక్ పాటిల్ జీ ముఖ్య అతిథిగా సి.ఆర్. చంద్రప్ప. శివాలయ కమిటీ చైర్మెన్,కామేశ్వర్ జీ మండల ప్రముఖ్ సూర్య ఫౌండేషన్, శివ రాజ్వాదే జీ. రవి తివారీ సహా స్వయం సహాయక సంఘాల మహిళలు, యువకులు మరియు గ్రామస్తులు పాల్గొన్నారు.

महिलाओं के सशक्तीकरण व स्वावलंबन के लिए लगाए गौ-उत्पाद प्रशिक्षण

समवेत शिखर संवाददाता

नवापारा राजिम । सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना छत्तीसगढ़ के अंतर्गत ग्राम-मानिकचौरी अभनपुर में 3 दिवसीय गौ-उत्पाद प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि भूपेंद्र साहू जनपद सदस्य अभनपुर अध्यक्षता मेश साहू पूर्व थाना प्रभारी एवं सेवाभावी सनत टंडन सूर्या फाउंडेशन छत्तीसगढ़ प्रमुख संजय तिवारी प्रशिक्षण प्रमुख सूर्या फाउंडेशन उपस्थित रहे सभी अतिथियों द्वारा श्री कृष्ण जी का पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया एवं धूपबत्ती उपला और दीपक बनाना सिखाया गया।

साथ ही 4 मई एवं 5 मई को साबुन एवं गोनाइल(फिनाईल) बनाने का भी प्रक्रिया सिखाया गया जो केमिकल मुक्त है प्राकृतिक साबुन उप्टन पाउडर धूपबत्ती उपले यह महिलाओं को सिखाया गया जिससे महिलाये खुद अपने स्वालंबन के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे इन सारी वस्तुओं का घर में निर्माण कर अपना खुद का व्यवसाय खड़ा कर सकते हैं और महिला अपने स्वालंबन के क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं जिससे ग्रामीण महिला में सशक्तीकरण आएगा साथ ही प्रशिक्षण का समापन 5 मई को किया गया जिसमें रमेश साहू जी सनत टंडन जी संजय तिवारी जी एवं सूर्या शिक्षक चिंताराम यादव, युवराज साहू एवं अन्य युवा साथी उपस्थित थे प्रशिक्षण में बनाया गया गोनायल,साबुन धूपबत्ती दीपक इन सभी वस्तुओं का वितरण सभी प्रशिक्षण ले रहे महिलाओं को दिया गया और सभी प्रशिक्षण से खुश थे अपना अनुभव में श्रीमती तुलेश्वरी साहू बताए की सूर्या फाउंडेशन द्वारा प्रशिक्षण में बहुत अच्छा लगा और संस्था को ऐसी महिलाओं के लिए चला रहे प्रशिक्षण के लिए धन्यवाद दिए साथ ही जाहिर किए कि सिलाई प्रशिक्षण के लिए भी महिलाओं के लिए व्यवस्था करने की बात रखी श्री रमेश साहू जी द्वारा अपने उद्बोधन एवं आशीर्वचन के रूप में सभी महिलाओं को सीखे हुए प्रशिक्षण को अपने घर में बना अपनाकर साथ ही ज्यादा मात्रा में वस्तुएं बनाकर अपने खुद की व्यवसाय खड़ा करने के लिए प्रेरित किए साथ ही सूर्या फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं एवं संस्था प्रेरक पद्मश्री आ. जे पी सर को भी धन्यवाद देते हुए जैसे हमारे गांव को चिन्हांकित कर अपने गांव में ऐसा ग्राम विकास का कार्य चला रहे हैं और अपने सूर्या साधना स्थली झिंझोली में सेवाभावी शिविर का भी कुछ अनुभव शेयर किए और सभी का आभार व्यक्त किये सनत टंडन ने भी अपने उद्बोधन में सभी महिलाओं को सीखे हुए प्रशिक्षण को अपने जीवन में अपनाते हुए ज्यादा से ज्यादा रुचि लेकर के वस्तुएं बनाएं और अपने स्वावलंबन के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए उत्साहित किए साथ ही सभी महिलाओं को अपने आय बढ़ाने को बोले संजय जी को भी धन्यवाद दिए इतने दूर से आ कर के अपने गांव में प्रशिक्षण लगाए और समय दिए सूर्या फाउंडेशन का यह ध्येय है "मेरा गांव मेरा तीर्थ" और इसी उद्देश्य को सामने रखकर ग्राम विकास के लिए भारत के 18 राज्यों में सूर्या फाउंडेशन शिक्षा,स्वास्थ्य, संस्कार, समरसता, स्वालंबन, यह पांच आयामों को लेकर अपनी कार्यक्रम चला रहे हैं सभी राज्यों में अनुभव और उपलब्धियां प्राप्त हो रहे हैं जैसे बच्चों में शिक्षा एवं संस्कार युवाओं में अपने गांव के प्रति श्रद्धा बुजुर्गों में समरसता की भाव महिलाओं में अपनी सशक्तिकरण को लेकर के स्वालंबन के क्षेत्र में आगे बढ़ना यह सारी उपलब्धियां सूर्या फाउंडेशन की गतिविधियों के माध्यम से देखने को मिल रहा है जिसकी जानकारी सभी ग्रामवासी व्यक्त करते हैं इस प्रशिक्षण शिविर में गांव के 7 महिला स्वयं सहायता समूह से 30 महिलाओं ने भाग लिया और गौ-उत्पाद प्रशिक्षण में उत्साह के साथ पूरा किये और सीखें ।

आज के बच्चे देश का भविष्य : लाल

मालनपुर. सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रमों में भागीदारी करने से छात्रों के व्यक्तित्व का विकास होता है। स्कूलों के अलावा अन्य कार्यक्रमों में भी छात्र छात्राओं को हिस्सा लेना चाहिए। यह बात मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र के सिंघवार गांव में सूर्या फाउंडेशन की ओर से आदर्श ग्राम के तहत आयोजित कार्यक्रम में शत्रुघ्न लाल ने कही। कार्यक्रम में सूर्या कंपनी के एचआर हैड मुकुल राय मौजूद रहे।

मालनपुर के सिंघवारी में आदर्श ग्राम योजना के तहत 10 दिवसीय लघु व्यक्तित्व विकास शिविर का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान श्रम विभाग के अशोक पाठक सहित अन्य लोग मौजूद रहे। समापन कार्यक्रम के दौरान सूर्या फाउंडेशन के मुकुल राय ने कहा कि बचपन में बच्चों को जो संस्कार दिए जाते हैं वे उसे जीवन भर काम आते हैं। संस्कारों से ही जीवन सरल होता है। जो

संस्कारविहीन होते हैं वे समाज में पतन का कारण बनते हैं। कार्यक्रम के दौरान सूर्या फाउंडेशन के रवि तिवारी, अशोक कुमार, लायक राम, अनिल रजक, धर्मेंद्र, हरेंद्र सिंह, राजीव शर्मा, कविता रजक, सत्यम , महेश सिंह, अनिल कुशवाहा सहित अन्य कार्यकर्ता व कंपनी के अधिकारी मौजूद रहे।